Dainik Bhaskar (Indore), 2nd April 2020, Page-3

कोरोना से लड़ने को यूनिवर्सिटी, रेलवे, आईआईटी.. सब आगे आए

आईईटी कैंपस हॉस्टल आइसोलेशन सेंटर बने

अभिषेक दुबे. इंदौर | कोरोना से लड़ने के लिए देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी ने अपने आईईटी कैंपस में करीब 10 करोड़ की लागत से बने नए हॉस्टल को आइसोलेशन सेंटर बनाने की पहल की है। यूनिवर्सिटी के मीडिया प्रभारी डॉ. चंदन गुप्ता ने बताया कि प्रबंधन ने प्रशासन को प्रस्ताव दिया है, जिसमें कहा है कि वह आईईटी कैंपस के 102 कमरों वाले हॉस्टल को आइसोलेशन सेंटर बनाने के लिए ले सकता है। जरूरत हुई तो हमारे अन्य हॉस्टल भी खाली करवा देंगे। कुलपति रेणु जैन ने बताया कि यूनिवर्सिटी के लगभग 250 शिक्षक व कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री राहत कोष में 16 लाख 62 हजार 146 रुपए का सहयोग दिया है। प्रशासन को कुछ मदद लगेगी तो हम वह करने को तैयार हैं।

इंदौर-महू स्टेशन के 80 कोच में बनेंगे आइसोलेशन वार्ड

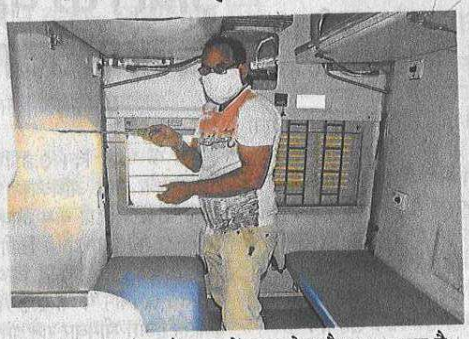

इंदौर| रेलवे इंदौर और महू में 80 कोच तैयार कर रहा है, इनमें आइसोलेशन वार्ड बनाया जा सकेगा। इसके अलावा रेलवे तीन मंजिला छात्रावास को भी तैयार करवा रहा है, जिनके 33 वार्ड में आइसोलेशन वार्ड बनाया जा सकेगा। जल्द ही इसे प्रशासन को दिया जाएगा।

आईआईटी ने दी सेंट्रीफ्यूज मशीन

इंदौर | आईआईटी इंदौर के बायोसाइंस और बायोमेडिकल विभाग ने एमजीएम मेडिकल कॉलेज को सेंट्रीफ्यूज मशीन सौंपी है। ये मशीन कोरोनावायरस के सैंपल परीक्षण में मददगार होगी। आईआईटी के अनुसार ये मशीन 13 से 14 हजार आरपीएम की गति से चलती है, जिससे अलग-अलग घनत्व के तरल इस गति पर अलग हो जाते हैं। ये विधि कोरोना के परीक्षण में भी अपनाई जाती है। इसकी कीमत दस लाख रुपए है। इसके साथ ही आईआईटी के फैकल्टी और कर्मचारियों ने प्रधानमंत्री राहत कोष में भी दस लाख रुपए दिए हैं। आईआईटी के प्रभारी निदेशक प्रोफेसर नीलेश जैन ने कर्मचारियों और फैकल्टीज के साथ पूर्व छात्रों से भी सहायता राशि के लिए अपील की थी।